Roll No. ……..

MAHL–102

मध्यकालीन कविता

M. A. Hindi (MAHL–12/16)

First Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों का उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10

(क) विरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ।
राम वियोगी ना जिवै, जिवै तो बौरा होइ॥

हेरत हेरत हे सखी, रह्या कबीर हिराइ।
बूँद समाणा समद मैं, सो कत हेरी जाय॥

(ख) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत लजियात।

भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सब बात॥

या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोय।

ज्यौं-ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं-त्यौं उज्जलु होइ॥

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं।

2. भक्तिकाल का आशय स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।
3. तुलसी की काव्यकला की विस्तार से विवेचना कीजिए।
4. रीतिमुक्त काव्य परम्परा का परिचय देते हुए कवि घनानन्द के काव्य का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
5. केशवदास का सामान्य परिचय देते हुए उनके काव्य में निहित संवाद योजना पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कबीर के काव्य में समाज सुधार की भावना पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. जायसी की प्रेमभावना पर प्रकाश डालिए।
3. निर्गुण और सगुण काव्य-धारा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4. तुलसी की रचनाओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
5. कृष्णमार्गी शाखा में मीराबाई के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

6. मतिराम की काव्यकला पर एक टिप्पणी लिखिए।
7. बिहारी की बहुज्ञता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. घनानन्द की प्रेम-व्यंजना को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प चुनिए।

1. 'साहित्य लहरी' किस भाषा में लिखी गई है ?
   (क) अवधी
   (ख) खड़ी बोली
   (ग) ब्रज
   (घ) बघेली
2. 'नरसी जी का माथरा' किसकी रचना है ?
   (क) महादेवी वर्मा
   (ख) मीराबाई
   (ग) सूरदास
   (घ) रसखान
3. 'आसा लागि रहति तन स्वासा' किस कवि की पंक्ति है ?
   (क) जायसी
   (ख) सूरदास
   (ग) तुलसीदास

(घ) मीराबाई

4. 'रामचरितमानस' में कितने काण्ड (सर्ग) हैं ?

(क) सात

(ख) छः

(ग) पाँच

(घ) आठ

5. 'बरवै रामायण' किसकी रचना है ?

(क) तुलसीदास

(ख) नरहरिदास

(ग) वाल्मीकि

(घ) सूरदास

सही/असत्य चुनिए।

6. तुलसी की भक्ति दास्य भाव की है। (सत्य/असत्य)

7. 'पूर्व मध्य काल', रीतिकाल का दूसरा नाम है। (सत्य/असत्य)

8. केशवदास ने 'रामचंद्रिका' महाकाव्य की रचना की। (सत्य/असत्य)

9. 'ललित ललाम' मतिराम की रचना है। (सत्य/असत्य)

10. 'भक्तिकाल' को हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग कहा गया है। (सत्य/असत्य)